20-5-67 ओम शान्ति रात्रि क्लास

कल्प ~~[illegible]~~ में एक ही बार तुमको सिर्फ ईश्वर बाप से वर्सा लेने लिये पुरुषार्थ करते हैं। पुरुषार्थ में और तो सब सहज है। एक याद की यात्रा में ही मेहनत है। बच्चों को मालूम नहीं पड़ता है कि-हम याद की यात्रा में चल रहे हैं कि नहीं। बाबा ने कहा है कि शाम को बैठ कर चार्ट लिखो। देखो कुछ दम है? लिख [illegible] नहीं सकते। याद के चार्ट का भी बहुत बच्चे समझ नहीं सकते हैं। सब बच्चों को [illegible] होते हैं बाप की बात पर। क्योंकि गीता में दिखाया है अर्जुन और कृष्ण। वास्तव में बच्चे जानते हैं किसको है अर्जुन का और कृष्ण का नाम डाल दिया। बाप भी कहते हैं [illegible] [illegible]। अब अर्जुन कौन है? तुम बच्चे हो? (ब्रह्मा) अब वास्तव में होना चाहिए ब्रह्मा। क्योंकि प्रजापिता तो ब्रह्मा है ना। तो जरूर ब्राह्मण चाहिए। प्रजापिता, कृष्ण तो है, अर्जुन तो K का नाम ही नहीं होना चाहिए। सब भी कोई एक मनुष्य का [illegible] जन्म [illegible]। यह सब बात भी तब होती जब यह गीता की Bhagwan एक शिव को ही कहा जाता है। पहले-2 बात सिद्ध गाइड बन को भीषण। [illegible] ने कृष्ण [illegible] गीता पतित पावन शिव का [illegible] [illegible] लिखो-गाईड। मनुष्यों की बुद्धि में K और अर्जुन ही जाते हैं। तो पहले बाप का परिचय दो। फिर बताओ कि ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण रचते हैं। वो हैं ब्रह्मा मुख। इसलिये बाप समझाते हैं पहले-2 बाप का परिचय। अल्फ नहीं समझा तो बे की बात ही नहीं उठती है। जब अल्फ समझा फिर तब [illegible] [illegible] फादर सृष्टि का रचता है। भारत को [illegible] का मालिक बनाया था। भारत [illegible] था। उनको आयु कहते हैं कि [illegible] कब था? वो तो Satyug को बहुत लम्बा ले जाते हैं ना। अगर [illegible] होते तो मनुष्य भी [illegible] हो जाये। बाप कहते हैं बच्चों तुम [illegible] जन्मों को नहीं जानते हो। 84 लाख जन्म [illegible] बताते हैं ही [illegible]। तुम बच्चों को 84 [illegible] [illegible] नहीं लगती है। मनुष्य [illegible] हुए हैं। तुम जानते हो कि सब [illegible] वालों को बार-2 निमन्त्रण मिलते हैं। गुलजार [illegible] मनोहर को भेजो। सिद्ध करना है कि यह [illegible] है। पुरुषार्थ कर [illegible] समझो [illegible] नहीं तो पद कम पायेंगे। मुक्ति में [illegible] नहीं मिल सकता। [illegible] से वर्सा पाया जाता है। लौकिक बच्चा तो जन्मा और वर्से का हकदार बना यहाँ पढ़ाई पर सारा मदार है। इसमें भी ~~[illegible]~~ ज्ञान है। मनमनाभव मध्याजीभव भी ज्ञान। विकर्म विनाश होने का और रास्ता है नहीं, सिर्फ मामेकम याद करो। बच्चों को कोशिश ~~[illegible]~~ कर [illegible] पर ठहराना है नहीं तो समझना चाहिये अपने ब्राह्मण जाति का नहीं है। दुकान पर माल दिखलाते जाते हैं। फिर पसन्द न आया तो चला जावेगा, यह भी तुम बच्चों की दुकानदारी है। विरला कोई व्यापर करे। वह व्यापारी भी है, शराफ भी है, धोबी भी है, सब टाईटल उनको दे सकते हैं। मुसलमान, हिन्दू, गुजराती, पारसी, क्रिश्चन कोई को भी समझाने की रसम चाहिये। सब का गाड फादर एक है। वो ही लिबरेटर है, अब कर रहे हैं। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ अपने को आत्मा समझो, अल्हा को याद करो, वो ही पतित पावन, लिबरेटर, गाईड है। कहा सन्यासी को गाईड नहीं कहा जावेगा, गाईड वो जो साथ ले जाये। बाप है ही पन्डा। बच्चे जानते हैं पान्डव राजधानी अब तो है नहीं। अभी तो है प्रजा का प्रजा पर कुरु राज्य। डरना न चाहिये। लिख दो, शिव भगवानुवाच। फिर कोई मूंझने की डरने की दरकार नहीं है। कई इस चित्र को मानते नहीं आते हैं। दिखाना चाहिये और सब मान्डे हैं, देवी देवता का मान्डा है नहीं, प्राय:लोप है। बाप आते हैं एक धर्म विनाश, एक धर्म की स्थापना करने। हूबहू यह गीता ऐपीसोड (episode) है। कोई भी बात पूछता हो उनको समझा सकते हैं। पहली बात है गीता का भगवान कौन। हमारा बाप नालेजफुल है, मनुष्य सृष्टि का बीज रूप है, सत्य है, चैतन्य है। संस्कार आत्मा में रहते हैं। तुम सब को समझा सकते हो। वो पतित पावन, लिबरेटर है रहमदिल है। सारी सृष्टि इस समय तमोप्रधान है। सतोप्रधान है नई सृष्टि जहाँ देवी देवताओं का राज्य है। अब उस धर्म की स्थापना कर रहे हैं। यही ब्राह्मण पढ़कर ब्योर बन, योग में पुरुषार्थ कर पवित्र बन जावेंगे। यही समय है लड़ाई के पहिले पुरुषार्थ करना है। धुआं तो सब तरफ देखते ही रहते हैं। अच्छा ~~[illegible]~~ मीठे-2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप व दादा का याद प्यार और गुड नाईट।